पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

डाबेला

गाँव - डाबेला

पंचायत - दोवड़ा

तहसील - दोवड़ा, जिला - डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

डाबेला गाँव का परिचय

ग्राम पंचायत दोवड़ा का गाँव डाबेला जिला कार्यालय डूंगरपुर से 14 किलोमीटर दूर बसा हुआ है। डाबेला गाँव से सटे हुए गाँव नयागाँव निचला, धाणी और दोवड़ा है। डाबेला दोवड़ा का राजस्व गाँव है, जिसमें 3 फलें है-

1. निचला फला
2. माता वाला फला
3. धुणी फला

गाँव में 15 अप्रैल, 2018 को शिलालेख हुआ है। गाँव डाबेला में करीब 250 घर है जिनकी आबादी करीब 1800 है। गाँव में शांति समिति का गठन हो चुका है। गाँव में सभी लोग एस.टी. जाति 247 घर, एस.सी. जाति के 2 घर और ओ.बी.सी. जाति का 1 घर है।

गाँव की पूरी जमीन 1111.05 हेक्ट. है जिसमें कृषि योग्य जमीन 897 हेक्ट. तथा बिलानाम जमीन 0.05 हेक्ट तथा चरागाह की जमीन 96.09 हेक्ट. है। गाँव में जंगल नहीं है। गाँव में 4 मंदिर, 1 नाला, 1 श्मशान घाट, 1 बस-स्टेण्ड, 2 विद्यालय और 2 आंगनवाड़ी है और जो जमीन है वह भी उबड़-खाबड़ है और सिंचाई के लिये भी व्यवस्था नहीं है।

गाँव का इतिहास

गाँव के इतिहास के बारे में जानकारी रखने वालो के अनुसार डाबेला गाँव आज से लगभग 300 साल पहले यहाँ डाबी, चारण, चोबिसा, वैद्य जाति के लोग रहते थे । इन लोगो ने गाँव में शिव और माताजी का मंदिर भी बनवाया था जो आज भी है । इन मंदिरों पर पुरातन शैली की भाषा में लिखा गया है जिसे अब कोई पढ़ नहीं पता है । तात्कालिन समय में चोरों और डाकुओ से जमीन और सुरक्षा के लिए मांडल से इन्होने परमार समाज के लोगो को बुलाया । धीरे धीरे डाबी, चारण, चोबिसा, वैद्य जाती के लोग गाँव छोड़ कर शहर की ओर भाग गये । तब से इस गाँव के मुख्य निवासी परमार जाति के लोग बन गये है ।

आवागमन की स्थिति

डूंगरपुर से दोवडा जाने वाली सड़क के बाये तरफ पश्चिम में डाबेला गाँव बसा है लेकिन गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए अधिकतर सीसी सड़क और कच्ची सड़क ही है। गाँव में केवल एक ही सड़क पक्की है जो कि डाबेला से होती हुई धाणी गाँव में जाती है लेकिन वह भी काफी ज्यादा टूट गयी है। गाँव के बाहर नया गाँव निचला की सीमा से सटा हुआ एक बस स्टेण्ड है। यहाँ आने के लिये सरकारी और प्राइवेट बस, ऑटो, जीप तथा निजी वाहन है,गाँव में फलों में

केवल नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है। खरीददारी के लिए बाजार दोवड़ा में है और मुख्य बाजार डूंगरपुर 14 किमी दूर आना पड़ता है, जहां पर सभी प्रकार की घरेलू खरीददारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीददारी की जाती है। डूंगरपुर आने के के लिए मुख्य बस स्टेण्ड से बस या जीप मिल जाती है।

स्वास्थय व शिक्षा

गाँव में एक प्राइमरी विद्यालय तथा एक मिडिल स्कूल है। दोनों ही विद्यालयों की हालत जर्जर है और बारिश के मौसम में छत से पानी टपकता है। उच्च शिक्षा के लिये डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है, अधिकतर बच्चे रोजाना आते-जाते है कुछेक बच्चे ही किराये पर कमरे लेकर रहते है। गाँव में 2 आंगनवाडी है।

गाँव में उपस्वास्थ्य केन्द्र नहीं है, इसके लिये दोवड़ा गाँव में 2 किमी दूर जाना पड़ता है। सरकारी हॉस्पीटल गाँव से 5 किमी दूर दामडी में है। जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 14 किमी दूर डूंगरपुर में है। पालतू जानवरों के इलाज के लिए पशु अस्पताल दोवड़ा में 2 किमी दूर है।

सरकारी योजनाएँ

गाँव के 240 घरों में बिजली है। गाँव में 50 इंदिरा आवास, 3 प्रधानमंत्री आवास और 10 मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थी है तथा गाँव में 50 पेंशनधारी है, जिनमें 20 महिलाओं को तथा 20 पुरूषों को वृद्वापेंशन और 5 महिलाओं को विधवा पेंशन और 5 महिलाओं को एकलनारी पेंशन मिलती है। गाँव में लगभग 200 परिवारों को उज्जवला गैस कनेक्शन नहीं मिला है। गाँव में अभी तक किसी का भी श्रमिक कार्ड नहीं बना है।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँवमें गेंहू, मक्का, उडद, मूंग और चना की खेती की जाती है। लेकिन यह केवल चार या पांच माह खाने तक का ही हो पाता है। रोजगार के नाम पर मनरेगा और कड़िया मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में आते है। और गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है।

विभिन्न चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न् प्रकार है-

प्राकृतिक संसाधनों का विघटन

गाँव में जंगल नहीं है, जहां आज से 30साल पूर्व पहाड़ियाँ हरी-भरी थी,वहां पर लोगों ने अपने खेत बना लिये है। समतल जमीन पर जंगल पूरी तरह से खत्म हो गया है। गाँव में बड़े पहाड़

नहीं है, लेकिन छोटी-छोटी पहाड़ियाँ है। गाँव की जमीन में किसी भी प्रकार के खनिज के बारे में जानकारी गांववालों को नहीं है। गाँव में पानी की सुविधा के लिये एक मौसमी नदी है और पानी को रोकने के लिये जो 4 एनीकट बने है वे जर्जर हालत में है और गर्मी में सुख जाते है।

आवागमन की समस्या

गाँव की सीमा पर डूंगरपुर से दोवडा जाने वाली मुख्य सड़क पक्की सड़क है लेकिन गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए अधिकतर सीसी सड़क और कच्ची सड़क ही है। गाँव में केवल एक ही सड़क पक्की है जो कि डाबेला से होती हुई धाणी गाँव में जाती है लेकिन वह भी काफी ज्यादा टूट गयी है। किन्तु खड्डों की वजह से अक्सर दुर्घटना की आशंका रहती है।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में लोगों के पास न्यूनतम कृषि भूमि दो बीघा और अधिकतम पांच बीघा है। गाँव में 4 छोटे तालाब है लेकिन रिसाव के कारण और कच्चे होने के कारण सालभर पानी नहीं रहता है। बारिश के पानी को रोकने के लिये 4 एनीकट है,ये गर्मियों के मौसम में सूख जाते है क्योंकि ये जर्जर हालात में है। गाँव में पानी का स्तर 300 फुट से नीचे है। गाँव में 10 कुएं है, जिनमें साल के मई, जून माह तक पानी खत्म हो जाता है। गाँव में 20 हेण्डपम्प है। जिनमें से लगभग 8 गर्मी के मौसम में सूख जाते है। सभी हेण्डपम्प और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है। वर्षा के जल को संरक्षित करने के विषय की ओर हाल फिलहाल गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है। गर्मी में ना तो पीने को पानी मिल पाता है ना ही सिंचाई का पानी मिल पाता है।

पशुपालन संबंधित समस्या

गाँव में गाय, बैल, भैंस व बकरी पाली जाती है। गाँव में चरागाह की जमीन मात्र 96.09 हेक्ट. है। खेती की जमीन 89.97 हेक्ट. है। खेती में सिंचाई के पानी की कमी के कारण खेतों में पशुओं के प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जाता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरिद कर लाना पडता है। चारे की एक पुली या गटठर सात रूपये में खरिदते है या फिर 4 से 5 परिवार वाले मिल कर 15000 से 17000 रूपये में भूसे का ट्रक खरिदते है। पशु अस्पताल दोवड़ा में 02 किमी दूर है।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

गाँव में केवल एक प्राइमरी विद्यालय और एक मिडिल विद्यालय है, इसके बाद बच्चों को पढने के लिये दूसरे गाँवों में दूर जाना पडता है। गाँव के सरकारी स्कूल में पानी की सुविधा नहीं है ना ही लड़कियो और लड़कों के लिये अलग-2 शौचालय है और बारिश का पानी टपकता है। गाँव की

आंगनवाडी में लोग अपने बच्चों को नहीं भेजते है क्योंकि छत खराब हो चुकी है जिससे बारिश का पानी अन्दर टपकता है। गाँव में उपस्वास्थ्य केन्द्र दोवड़ा में 2 किमी दूर है, बडा हॉस्पीटल गाँव से 14 किमी दूर डूंगरपुपर शहर में है जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

डाबेला गाँव में केवल बारिश के मौसम में ही मुख्य फसल उगा ली जाती है क्योंकि गर्मी के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। गर्मी में जिन खेतों में फसल उग रही है वे कुआं व बोरवेल के पानी से सिंचित है। गाँव में भू-जल स्तर 300 फुट से भी नीचे चला गया है। विचारणीय बात यह है कि यदि वर्तमान में जमीन में पानी इतना गहराई में चला गया है तो कुछ सालों बाद गाँव में पानी का स्तर कितना गहराई तक चला जाएगा। गाँव में सिंचाई के पानी की व्यवस्था के लिये करीब 10 कुऐं तथा लगभग 30 बोरवेल है। लेकिन अधिकतर गर्मी के मौसम में सूख जाते है। गाँव में गेहूँ, ग्वार, मक्का, उडद, तुअर, चने की खेती की जाती है, जो कि केवल 4 या 5 माह ही चल पाता है, खेती से होने वाला अनाज पर्याप्त नहीं होने के कारण खरीद कर लाना पड़ता है। जिसके लिये सरकारी उचित मूल्य की दूकान गाँव में ही दोवड़ा में है। राशन की दुकान पर गेहूं मिलता है, चीनी तथा केरोसीन त्यौहारों पर ही मिलता है। राशन दुकान पर पॉस मशीन की भी समस्या रहती है और दूसरे गाँव के लोग भी आते है, जिसके कारण काफी लम्बी लाइन राशन लेने के लिये लग जाती है।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार की स्थिति भी काफी खराब है, गाँव के अधिकतर युवा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या महानगर बम्बई में मजदूरी करने के लिये जाते है। गाँव में नरेगा पर काम भी मिलता है। जिसमें गाँव की 80 प्रतिशत महिलायें जाती है तथा जो पुरुष यहां रह कर खेती करते है वे भी नरेगा में काम पर जाते है। वर्तमान में मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है वह भी 100 रूपये तक ही दी जाती है। कुछेक लोगों को तो काम करने के बाद दो या तीन मस्टरोल के रूपये नहीं मिले है। जिसके लिये जवाब मांगने पर बैंक खातों के स्थानान्तरण की बात कह कर टाल दिया जाता है।

व्यक्तिगत अधिकार पत्र की स्थिति

गाँव में हाल में कोई जंगल नहीं है लेकिन जिस जमीन पर लोग घर और खेत बना कर आवास कर रहे है, उनके पास अपनी जमीन के खातेदारी हक नहीं है, जिस पर कोई भी दावा फाइल की कारवाही नहीं हो रहीं है।

अन्य

गाँव के लोग खरीददारी करने के लिये दोवड़ा2 किमी या डूंगरपुर 14 किलोमीटर दूर जाना पडता है। पुलिस स्टेशन दोवड़ा में दोवड़ा 2 किमी दूर है और पोस्ट ऑफिस दोवड़ा में 2 किमी दूर है। गाँव में 24 लोग अलग-अलग सरकारी विभागों में नौकरी में है।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	**हालत**	**सम्भावना**
जल नदी कुआं हैण्डपम्प बोरवेल तालाब	गाँव में एक नदी है जो कि केवल बारिश के मौसम में ही चलती है। चार एनीकट बने हुए है लेकिन वे जर्जर हालत में होने से अधिक समय के लिये पानी को रोक पाने में सक्षम नहीं है। गाँव में कोई नाला नहीं है। गाँव में 20 कुएं है लेकिन 12 से 14 में ही पानी मिल पाता है। बाकी सूख जाते है और जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँव में सिंचाई और मवेशीयों के पानी के लिये चार छोटे तालाब है लेकिन गर्मी में पानी सूख जाता है। ऐसी स्थिति में मवेशीयों के पीने के पानी की समस्या हो जाती है। गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है।	यदि चारों एनीकट अगर मरम्मत करके ठीक कर दिए जाएं तथा नदी के रास्ते पर छोटे छोटे चेकडेम बनाये जाए तो गाँव के लोगों की सिंचाई का संकट दूर हो सकता है। तो जलस्तर भी ऊंचा हो जाएगा। और गाँव में गर्मियों में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है। गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है।
जमीन कृषि भूमि बिला नाम भूमि चरागाह	गाँव में समतल जमीन नहीं के बराबर है, अधिकतर छोटी पहाड़िया, उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन तथा पहाड़ है। गाँव में बिलानाम जमीनें भी है जिस पर लोगों का कब्जा है। गाँव में चारागाह भी है लेकिन वह पहाड़ियों पर है। जिस पर केवल बरसात में होने वाली घास होती है	गाँव की उबड़-खाबड़ जमीनों का समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। चारागाह भूमि, बिला नाम तथा गाँव की बेकार पड़ी जमीनों को गाँवसभा के अधीन करके उस पर भी वृक्षारोपण किया जा सकता है और उससे आय के साधन बनाए जा सकते हैं। खाली

	जिसे चारे के रूप में लोग काट कर लाते हैं। समतल भूमि ही सिंचित है बाकी जमीनें असिंचित है। असिंचित भूमि पर बरसात में होने वाली फसल ही पैदा होती है।	जमीन पर फलदार वृक्षारोपण भी किया जा सकता है। जिससे लोगों की आय के साधन बढ़ सकते हैं। सब्जी की खेती भी करके आय बढ़ाई जा सकती है।
सड़क कच्ची सड़क सी.सी. सड़क पक्की सड़क	गाँव में ज्यादातर कच्चे रास्ते और सी.सी. सड़क है। और एक पक्की सड़क है लेकिन इनकी हालत काफी ख़राब हो चुकी है। सी.सी. सड़क और पक्की सड़क में गड्डे पड़ गये है जिसके कारण हादसों की सम्भावना बनी रहती है।	यदि गाँव के सभी कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क में बदले जाये और सी.सी. सड़कों को चोड़ा करके पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा होगी। जो पक्की सड़क डाबेला गाँव को धानी गाँव से जोडती है अगर उसको अच्छा करके रोड लाइट लगवाई जा सकती है।
स्कूल	गाँव में एक मिडिल स्कूल और एक प्राइमरी स्कूल है। दोनों ही स्कूलों में बारिश में पानी टपकता है और छत से प्लास्टर भी गिर रहा है। स्कूल में अध्यापकों की भी कमी है।	दोनों स्कूलों में छत का प्लास्टर करवा कर अच्छा बनाया जा सकता है। इसके अलावा शोचालय की भी मरम्मत करवाई जा सकती है।
चौराहा	गाँव में एक ही चौराहा है वह भी टुटा हुआ है।	इसकी मरम्मत करवा कर अच्छा करना है।
शमशान घाट	गाँव का शमशान घाट पूरी तरह से उजड़ चुका है, ना तो वहां पर टीनशेड है ना ही रास्ता और ना ही चबूतरा है।	नए सिरे से निर्माण करवाना है।
मंदिर	माताजी के मंदिर की छत टूट गयी है।	टूटी हुई छत को सही करवाना है और सामुदायिक भवन बनाना है ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	**समस्याएं**	**सार्वजनिक / व्यक्तिगत**	**कारण**	**समाधान**	**तात्कालिक/ दीर्घकालिक**	**वरीयता**
1	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत / सार्वजनिक**	गाँव में छोटी पहाडियों की संख्या ज्यादा होने से कृषि योग्य भूमि कम है और उपलब्ध भूमि भी उबड़ खाबड़ है। सिंचाई की सुविधा भी नहीं है। बरसात का पानी गाँव में रोकने की कोई व्यवस्था नहीं है।	खेतों का समतलीकरण, बरसात का पानी रोकने के लिए खेतों की मेड़ बंदी तथा कच्चे चेक डैम का निर्माण। गाँव के नाले में पानी रोकने की योजना। जर्जर एनिकटों की मरम्मत करके पानी रोका जा सकता है।	**तात्कालिक**	
2	**शिक्षा व्यवस्था सुचारू नहीं होना**	**सार्वजनिक**	गाँव के स्कूलों में शिक्षा का स्तर निम्न है क्योंकि बच्चों को पढ़ाने के लिए न तो पुरे अध्यापक है और नहीं कमरे हैं। वर्तमान में जो कमरों की हालत है वो भी ख़राब है। सरकार की गाँव में शिक्षा के प्रति उदासीनता	इस समस्या के समाधान के लिए गाँवसभा में निर्णय लिया गया है कि शिक्षा विभाग और जिला अधिकारीयों को ज्ञापन दिया जाएगा।	**तात्कालिक**	

			और उनकी शिक्षा नीति के कारण न तो अध्यापकों की नियुक्ति हो पा रही है न ही कमरों का निर्माण हो पा रहा है।			
3	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	जिन फलों में लोग प्रभावशाली और जागरूक है वहां तो रास्ते हैं। PWDऔर पंचायत द्वारा गाँव के रास्ते का निर्माण किया जाता है। जिन फलों में लोग जागरुक नहीं हैं और न ही प्रभावशाली है वहां रास्ते का संकट है।	गाँवसभा कमेटियों के गठन के बाद जहां जहां रास्ते नहीं है वहां के प्रस्ताव लिए गए हैं और जो सड़के टूटी हुई है उनके नवीनीकरण के लिए उसे पंचायत की एक्शन प्लान में शामिल करवाने के बाद रास्ते का संकट का समाधान होने की संभावना है।	**तात्कालिक**	
4	**सरकारी योजनाओं की सहीं क्रियान्विति ना होना - आवास निर्माण, पेंशन और**	**व्यक्तिगत**	गाँव में जिन लोगों को आवास की बेहद जरूरत है उनके आवास गरीबी के कारणनहीं बने हैं। जो सक्षम लोग हैं उनके	गाँव के सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों	**तात्कालिक**	

	उसके भुगतान संबधी समस्या		आवास बन गए हैं और एक समस्या यह भी है की जिन लोगों के आवास बन भी गए हैं उनमें से ज्यादातर लोगों का पूरा भुगतान नहीं हुआ है। गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों की पेंशन भी बंद है।	को पेंशन नहीं मिल रही है उनको पेंशन योजना से जोड़ना। बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना।		
5	**काबिज भूमि पर खातेदारी का हक नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	लोग कई पीढ़ियों से गाँव में बसे हैं लेकिन जितनी भूमि पर वह काबिज है उसकी खातेरदारी का हक उनको नहीं मिला है। सरकार की अघोषित नीतियों के कारण राजस्व विभाग ने खातेदारी हक देना बंद कर दिया है। जिसके कारण	काबिज भूमि पर सामूहिक दावा करना। पट्टे की जमीन जिसकी पैनल्टी राजस्व विभाग ने लेना बंद कर दिया है उसे कोर्ट में जमा करना क्योंकि पेनल्टी नहीं देने से पट्टा खारिज हो जाएगा और धारा 91 के अनुसार काबीज जमीन का नियमन कराना। गाँव सभा द्वारा	**दीर्घकालिक**	

			भविष्य में उनकी जमीन आसानी से छीन जाने का संकट खड़ा हो गया है।	सबकी फाइल तैयार करके एक साथ राजस्व विभाग में दावे का मुकदमा करना।		
6	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव के पीने के पानी में फ्लोराइड की मात्रा पाई जाती है। बोरवेल ज्यादा लगने और बरसात का पानी गाँव में रोकने की कोई व्यवस्था नहीं होने से भूजल स्तर लगातार नीचे जाने से गर्मियों में पीने के पानी का संकट बढ़ रहा है।	शुद्ध पीने के पानी के लिए बरसात के पानी को रोककर पीने लायक करके पीना। हैंडपंप में आर. ओ. प्लांट लगाना। बरसात के पानी को रोकने की बेहतर योजना और बोरवेल से पानी निकालने पर नियंत्रण।	**तात्कालिक**	

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	**W- Weakness कमजोरी**	**O- Opportunities अवसर**	**T- Threats चुनौतियां**
आवागमन - कच्चे रास्ते, पक्की सड़कें	पक्की सड़क केवल दूसरे गाँव में जाने के लिए,कच्चे रास्ते को आर.सी.सी. नहीं करना। पगडंडी को	रास्ते ठीक होने से गाँव में साधन आ जा सकते हैं जिससे छोटे मोटे व्यवसाय किए जा सकते हैं। लोगों को	गाँव सभा कमेटी का मजबूती से काम नहीं करना, सरकार तथा पंचायत की उदासीनता और गाँव

	चौड़ा नहीं करना। टूटी हुई सड़क को सही नहीं करवाना।	आने जाने में समय की बचत होगी।	के लोगों में जागरूकता की कमी।
जल नदी कुआं बोरवेल हैंड पंप	नदी पर चार एनीकट है लेकिन टूटे हुए हैं। कुओं को रिचार्ज करने की व्यवस्था नहीं करना। गाँव में जल की कमी ना हो इसके लिए गाँव के लोगों की जागरूकता में कमी।	पुराने एनीकट की मरम्मत और नए एनिकट बनाना। बरसात के पानी को योजनाबद्ध तरीके से अगर रोका जाए तो गाँव में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है जिससे सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है और भू जल स्तर को भी ऊँचा किया जाता हैं।	पंचायत द्वारा इस चुनौती से निपटने को कोई कार्य योजना नहीं होना। गाँव के लोगों की उदासीनता।
आजीविका के साधन	गाँव में रोजगार के साधन का अभाव। कृषि उत्पादन की कमी। अच्छी नस्ल के पशुओं का अभाव।	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, चारागाह का अच्छा प्रबंधन, अच्छी नस्ल के पशुओं का पालन, सब्जी के खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं। घरेलु उद्योग भी किये जा सकते है।	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन का अभाव। उन्नतशील बीज का अभाव। जमीन और पहाड़ों के बेहतर प्रबंधन की कमी।
भूमि	गाँव की खाली पड़ी जमीन और पहाड़ों का जीविका के साधन के रूप में प्रयोग नहीं	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना। गाँव की सार्वजनिक खाली पड़ी	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव खाली पड़ी

	होना। सभी लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन नहीं होना। जमीन के पट्टे ना होना ।	जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **नजरिया नक्शा**

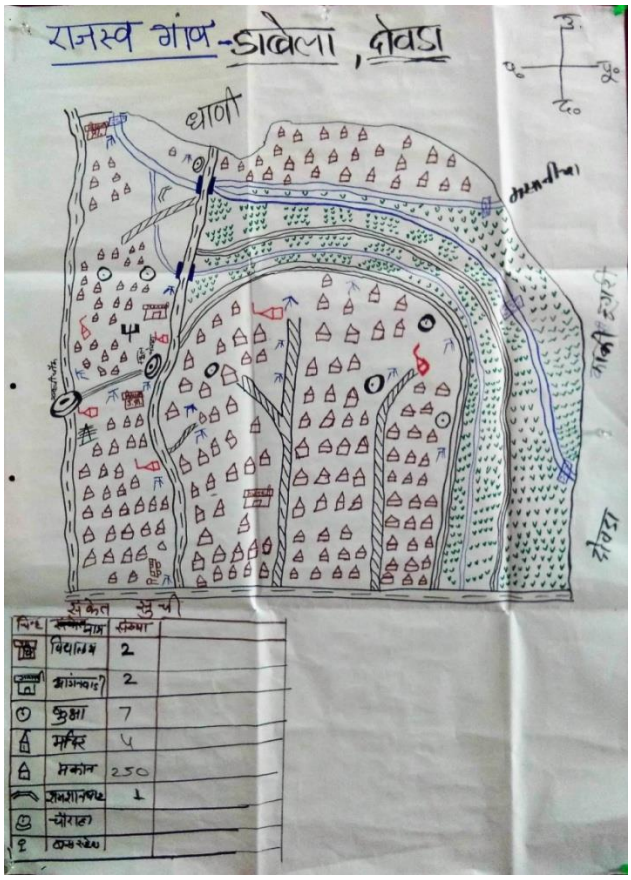

गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -

प्रस्तावित कार्य	**संख्या**	**लाभार्थी परिवारों की संख्या**
रास्ता निर्माण के संबंध में सीसी सड़क निर्माण एवं मरम्मत	11	--
हैंडपंप मरम्मत	15	35

नया हैंडपंप लगवाने के संबंध में प्रस्ताव	07	110
खेत समतलीकरण मेड़बंदी कुआं गहरीकरण मरम्मत एवं पशुवाडा निर्माण	59	--
माताजी के मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण के संबंध में	1	--
चेकडैम निर्माण	12	12

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया - फोटो गैलेरी

Figure1 गाँव विकास योजना बनाते हुए डाबेला वासी

सेवामे,

श्रीमान सरपंच महोदय,
ग्राम पंचायत..डौवडा

विषय:- गांव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमो आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध मे।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध(अनुसूचित क्षेत्रो पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते है, इस अधिनियम के तहत् संविधान मे पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानो के अनुसूचित क्षेत्रो पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगो ने अपने इस रहवास को औपचारिक तोर पर गांव के रूप मे स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम् 1999 की धारा 3(क) के तहत् ग्राम सभा का गठन किया है।इसके अनुसार धारा 3(ग) (1)के तहत् ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके कियान्वयन के पूर्व गांव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है।हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है)पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर मे पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावे।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम..डाबेला

प्रतिलिपि:-
1.श्रीमान विकास अधिकारी..........
2.श्रीमान जिला कलक्टर महोदय
3. श्रीमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी.........
4. निजी रेकार्ड

अध्यक्ष सचिव
गांव गणराज्य गांव डाबेला
पं.स. दौवडा जि. डूंगरपुर

पेसा कानून 1999, राजस्थान सरकार के नियम 2011 के अंतर्गत आज दिनांक- 13/5/18 को डाबेला गाँव की गाँव की बैठक माताजी चौक, बिलाखेत पर आयोजित की गयी। गाँव सभा मे मौजूद गाँव वासियो ने जीवनप्रकाश पवार को अध्यक्ष चुना जिनकी अध्यक्षता में बैठक की कार्यवाही की गई। गांव सभा की बैठक में निम्नलिखित प्रस्तावो पर चर्चा की गई और इनका अनुमोदन किया गया।

प्रस्ताव क्रम संख्या	प्रस्ताव जो रखे गये	प्रस्ताव जो पारित हुये	हस्ताक्षर
प्रस्ताव संख्या (1)	चेकडेम निर्माण सम्बधीत 1. बाला/गोविंद पवार - मातावाला फला तलाई वाला खेत	प्रस्ताव में प्रस्तावित चेकडेम निर्माण के सभी प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित हुये।	
(2)	शंकर पिता रामा, गैरव [illegible] वाला खेत	प्रस्ताव में प्रस्तावित चेकडेम निर्माण के सभी प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित हुए	
(3)	कचरा पिता थावरा, खेत हाथी[illegible] वाला	प्रस्ताव मे प्रस्तावित चेकडेम निर्माण के सभी प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित हुए	
(4)	गलजी पिता ताजु के खेत नाम [illegible]वाला	प्रस्ताव मे प्रस्तावित चेकडेम निर्माण के सभी प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित हुआ	
(5)	कान्तिलाल पिता थावरा खेत लाम्डा वाला ओवरी के पास	प्रस्ताव मे प्रस्तावित चेक डेम निर्माण के सभी प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित हुआ	
(9)	शंकर पिता रामा का कुआ, फला निचला[illegible] तलाई वाला	प्रस्ताव मे वास्तविक पुराना कुआ गहरा व रिंगवाल का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित हुआ	
(10)	रमेश पिता कान्तिलाल परमार का कुआ नाम, तलाई वाला	प्रस्ताव मे वास्तविक कुआ गहरा, रिंगवाल का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित हुआ	
(11)	हरीराम पिता मावजी का कुआ महीवाला फला मही	प्रस्ताव मे वास्तविक पुराना कुआ गहरा व रिंगवाल का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित हुआ	
(12)	सुरजलाल पिता बुधा का कुआ नाम महीवाला फला मही	प्रस्ताव मे वास्तविक पुराना गहरा, रिंगवाल का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित हुआ	
(13)	[illegible] आलकेशवर का कुआ नाम [illegible] फला निचला होरा	प्रस्ताव मे वास्तविक पुराना कुआ गहरा व रिंगवाल का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित हुआ	
(14)	हरिश पिता रूपा रोत का कुआ नाम [illegible] वाला, फला [illegible] होरा	प्रस्ताव मे	
प्रस्ताव संख्या (6)	डबेला कालका माता के मन्दिर के पास गेमा धनजी के घर के पास MLA कोटे से स्वीकृत सामुदायिक भवन निर्माण	प्रस्ताव मे समस्त ग्रामवासियो ने सहसहमती से पारित किया।	

अध्यक्ष सचिव
गांव गणराज्य गांव डाबेला
पं.स. दोवडा जि.डूंगरपुर

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1. जीवनप्रकाश परमार 9660930843
2. नारायणलाल परमार 7568717354
3. सुरेश परमार 9636581019
4. लक्ष्मण परमार